BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034

विषय – हिंदी

निर्देश ः-

1. पाठ को समझने के लिए दिए गए लिंक देखें।
2. दिए गए कठिन शब्द, अभ्यास कार्य के प्रश्न 1,2,3 तथा योग्यता विस्तार कॉपी में करें।

कक्षा- छठी

पाठ- साथी हाथ बढ़ाना

कृपया नीचे दिए गए लिंक को देखें और 'नया दौर' फिल्म के गीत को सुनें:-

https://www.youtube.com/watch?v=ExpUfE89trk&feature=youtu.be

पाठ परिचय ः-

- प्रस्तुत कविता 'साथी हाथ बढ़ाना' कवि 'साहिर लुधियानवी' द्वारा लिखा गया गीत है।
- इस कविता में कवि ने देश के लोगों को मिलजुलकर काम करने की प्रेरणा दी है।
- कवि ने इस गीत के माध्यम से हर परिस्थिति से डटकर मुकाबला करने तथा अपनी मंज़िल को पाने की सीख दी है।

कृपया नीचे दिए गए लिंक को देखें तथा कविता को समझें:-

https://www.youtube.com/watch?v=vlxp60ef7GY

BBPS, PITAMPURA

कविता का सार :-

साथी हाथ बढ़ाना गीत साहिर लुधियानवी द्वारा लिखा गया है। यह गीत 'नया दौर' फिल्म के लिए लिखा गया था। यह गीत आजादी के कुछ समय बाद लिखा गया था जब देश का निर्माण हो रहा था। यह गीत हमें मिल-जुलकर कर काम करने को प्रेरित करता है। कवि ने इस गीत में बताया है कि जब-जब मनुष्य ने मिलकर काम किया है, तब-तब उसने हर मुश्किल को आसानी से पार किया है। कवि के अनुसार सुख-दुःख का चक्र जीवन में हमेशा आता रहता है। हमें हर परिस्थिति में हमेशा अपनी मंजिल की ओर बढ़ते रहना चाहिए।

साथी हाथ बढ़ाना
एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना।
साथी हाथ बढ़ाना।
हम मेहनतवालों ने जब भी, मिलकर कदम बढ़ाया
सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया
.फौलादी हैं सीने अपने, .फौलादी हैं बाँहें
हम चाहें तो चट्टानों में पैदा कर दें राहें
साथी हाथ बढ़ाना।

अर्थ –अकेला व्यक्ति काम करते हुए थक सकता है, लेकिन यदि हम उसका साथ दें, उसकी सहायता करें तो उसके काम का बोझ बहुत कम हो जाएगा। परिश्रमी लोगों ने जब भी मिलकर काम किया है, वे पर्वत और सागर को भी पार कर गए हैं। हमारी बाँहों में ताकत है और हमारे सीने में हिम्मत है। हम चाहें तो पत्थरों में भी रास्ता निकाल सकते हैं। बस हमें साथ मिलकर काम करने की ज़रूरत है।

मेहनत अपने लेख की रेखा, मेहनत से क्या डरना
कल गैरों की खातिर की, आज अपनी खातिर करना
अपना दुख भी एक है साथी, अपना सुख भी एक
अपनी मंज़िल सच की मंज़िल, अपना रस्ता नेक
साथी हाथ बढ़ाना।

अर्थ –मेहनत हमारा भाग्य है। यही हमारा जीवन सँवारेगी। हमें मेहनत से डरना नहीं चाहिए। गुलामी के दिनों में हमारी मेहनत का लाभ दूसरों को मिला। आज हम आजाद हैं और हमारी मेहनत हमारी ही तरक्की का द्वार खोलेगी। अब हमारा सुख-दुख एक है। हमें अच्छाई की राह पर चलते हुए सत्य की मंजिल तक पहुँचना है। इसके लिए हमें साथ मिलकर काम करना होगा।

एक से एक मिले तो कतरा, बन जाता है दरिया
एक से एक मिले तो ज़र्रा, बन जाता है सेहरा
एक से एक मिले तो राई, बन सकती है परबत
एक से एक मिले तो इंसाँ, बस में कर ले किस्मत
साथी हाथ बढ़ाना।

अर्थ –एक-एक बूँद पानी मिलकर नदी का रूप ले लेता है। रेत का एक-एक कण मिल कर रेगिस्तान बन जाता है। राई के समान छोटे-छोटे दाने मिलकर विशाल पर्वत बन जाते हैं। ऐसे में यदि एक-एक इंसान मिल जाए, तो वह अपनी किस्मत पर भी अधिकार कर सकता है। बस, इसके लिए केवल साथ मिलकर काम करने की ज़रूरत है।

BBPS, PITAMPUR

शब्दार्थ ः-

बोझ - भार
परबत - पर्वत
सीस - सिर
फ़ौलादी - मजबूत
लेख - भाग्य का लिखा हुआ
गैर - दूसरे
रस्ता - रास्ता
नेक - भला
कतरा - बूँद
दरिया - नदी
ज़र्रा - रेत का कण
सेहरा - रेगिस्तान
राई- छोटा दाना
इंसा - इंसान
किस्मत - भाग्य

अभ्यास कार्य ः-

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द/पंक्ति में लिखिए -

क. मेहनत को क्या बताया गया है ?

ख. ज़र्रा मिलकर क्या बन जाता है ?

ग. इस गीत में 'गैर' किसे कहा गया है ?

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क. 'सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया' इस पंक्ति के द्वारा कवि क्या कहना चाहता है ?

ख. सीने और **बाँहों** को **फ़ौलादी** क्यों कहा गया है ?

ग. इस गीत के द्वारा साहिर जी क्या संदेश देना चाहते हैं ?

प्रश्न 3. निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाइए –

हाथ को हाथ न सूझना, हाथ साफ करना

हाथ- पैर फूलना, हाथों- हाथ लेना

योग्यता विस्तार ः-

क) किसी ऐसी घटना के बारे में लिखिए जब आपने दूसरों का साथ पाकर कठिन समय पर विजय प्राप्त की हो। कल्पना के आधार पर लिखिए।

ख) एक सुंदर सा चित्र बनाइए जिसमें कुछ लोग एक साथ काम करते हुए दिखाई दे रहे हों।

BBPS, PITAMPURA